

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी

प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

देश में एक बार फिर खाद्य महंगाई चिंता का विषय बन गई है . ताजा आंकड़ों के अनुसार जून में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.32 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो पिछले 17 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है. वहीं खुदरा महंगाई भी बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई है . इसका सीधा असर आम परिवारों की रसोई पर पड़ रहा है. दाल, सब्जियां, फल, खाद्य तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से मध्यम और निम्न आय वर्ग का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है .

महंगाई केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं होती, बल्कि यह हर परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा सवाल है . जब रसोई का खर्च बढ़ता है तो सबसे पहले परिवारों को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है . पौष्टिक भोजन की जगह सस्ते विकल्प अपनाने की मजबूरी बढ़ती है . इसका असर केवल वर्तमान पर नहीं, बल्कि आने वाली

बढ़ती महंगाई : अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी

पीढ़ी के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है . रिपोर्ट के अनुसार टमाटर, प्याज, दालें, खाद्य तेल और फलों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है . मौसम की अनिश्चितता, अत्यधिक गर्मी, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं तथा परिवहन लागत बढ़ने जैसे कारणों ने खाद्य पदार्थों की कीमतों को ऊपर धकेला है . वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और खाद्य तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भी भारतीय बाजार पर दिखाई दे रहा है .

रिजर्व बैंक ने महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए 4 प्रतिशत का लक्ष्य रखा है, जिसमें 2 प्रतिशत का ऊपर-नीचे का दायरा स्वीकार्य है . फिलहाल खुदरा महंगाई इसी दायरे में है, लेकिन खाद्य महंगाई का लगातार बढ़ना भविष्य के लिए चिंता का संकेत है . यदि यह

स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो व्याज दरों, निवेश और आर्थिक विकास पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है .

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह महंगाई पर नियंत्रण रखते हुए किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य भी दिलाए . केवल कीमतें दबा देना स्थायी समाधान नहीं हो सकता . कृषि उत्पादन बढ़ाने, भंडारण क्षमता मजबूत करने, कोल्ड चेन का विस्तार करने और जमाखोरी पर कठोर कार्रवाई करने की आवश्यकता है . राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है, ताकि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति समय पर बनी रहे . इसके साथ ही उपभोक्ताओं को भी बदलती परिस्थितियों के अनुरूप संतुलित उपभोग की आदत विकसित करनी होगी .

स्थानीय और मौसमी उत्पादों को प्राथमिकता देने से मांग का दबाव कम किया जा सकता है . हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि महंगाई की पूरी जिम्मेदारी नागरिकों पर डाल दी जाए . मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करना सरकार और नीति निर्माताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है . भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है . ऐसे समय में लगातार बढ़ती खाद्य महंगाई विकास की इस रफतार पर सवाल खड़े कर सकती है . आर्थिक प्रगति का वास्तविक लाभ तभी माना जाएगा, जब आम नागरिक की थाली सुरक्षित रहे और रसोई का बजट संतुलित बना रहे . सरकार को त्वरित और दीर्घकालिक दोनों स्तरों पर प्रभावी कदम उठाने होंगे, क्योंकि महंगाई पर नियंत्रण केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता और जन विश्वास बनाए रखने की भी अनिवार्य शर्त है .

यूके व्यापार समझौते से बड़े अवसर खुलेंगे

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा. इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवीनोपेक्षा, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता' (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है. यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हैऔर यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा.

इससे भारतीय निरमाताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा. इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी. व्यवसायियों में उत्साह है. उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं. रज और आभूषण निर्यात को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230% बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों

महिलाओं के लिए बड़ी जीत झू यह ऐतिहासिक समझौता, जो पारंपरिक एफटीए से कहीं अधिक है, सतत और समावेशी आर्थिक विकास में महिलाओं के योगदान को मान्यता देता है . इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए अवसर और लाभ को बढ़ावा देना है . दोनों देशों ने महिलाओं की बाजार और उभरते क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने, वित्तीय समावेश और साक्षरता को बढ़ावा देने, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने, और उनकी क्षमता और कौशल विकसित करने जैसी विभिन्न गतिविधियों का वादा किया है . सीईटीए सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है . यह भारत की क्षमताओं और आकांक्षाओं में विश्वास का एक वक्तव्य है .यह एक नए भारत को प्रतिबिंबित करता है, जो सिर्फ वैश्विक व्यापार में भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि इसे आकार देने में भी मदद कर रहा है . हमारे किसानों, मछुआरों, कामगारों, महिला उद्यमियों, एमएसएमई, पेशेवरों और युवाओं को सशक्त बनाकर, यह समझौता देश के प्रत्येक हिस्से में रह रहे हर भारतवासी को अवसर उपलब्ध कराएगा .

को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी. पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है,लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा.इसमें लगभग 100 प्रतिशत व्यापार मूल्य शामिल हैं, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेजी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे. युवा सोच, वैश्विक अवसर- यह जन-केंद्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है. 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल

भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है. भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं.

बेहतर बाजार पहुंच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा. रोजगार के अवसर – युवाओं को रोजगार के ज्यादा मौके मिलेंगे,

क्योंकि बेहतर पहुंच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे. कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके,सीईटीएभारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें. सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था. यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीएके साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोकाओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है.

कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है. स्थानीय स्तर पर उग्राएं, वैश्विक स्तर पर बेचें – भारतीय किसानों को 37.5 बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा. इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा.

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

कौन होगा गोल्डन बूट का हकदार?

फीफा वर्ल्ड कप टूर्नामेंट अपने अंतिम दौर में पहुंचकर बेहद रोमांचक हो गया है . अब दुनिया के खेलप्रेमियों की नजरें फ्रांस और स्पेन के बीच 15 जुलाई को होने वाले पहले सेमीफाइनल पर हैं जिसमें पूरी उम्मीद है कि फ्रांस के काइलियन एम्बापो और उस्मान डेम्बेले अपना कमाल दिखाएंगे . दूसरा सेमीफाइनल 16 जुलाई को इंग्लैंड व अर्जेंटीना के बीच होगा .

अर्जेंटीना को अपने स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी के करिश्मे पर भरोसा है . सेमीफाइनल मैचों की 2 विजेता टीम फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी . इन 4 टीमों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं . मोटे तौर पर अनुमान है कि फ्रांस और अर्जेंटीना की फाइनल में टक्कर हो सकती है . वजह यह है कि इंग्लैंड ने 1966 के बाद से 60 वर्षों में कभी भी वर्ल्डकप नहीं जीता हालांकि उसकी टीम में भी डेविड बेकेम जैसा जबरदस्त खिलाड़ी था . स्पेन सिर्फ 1 बार वर्ल्डकप जीतने में कामयाब हुआ था जबकि फ्रांस 2 बार तथा अर्जेंटीना 3 बार चैंपियन रहा है . खास बात यह है

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD12319

—डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3		4	5	6
			7	8	9	
10				11	12	
			13	14		15
16	17		18		19	
	20	21			22	
23		24	25			
26			27			

बाएं से दाएं

1.देवता की पूजा के निमित्त की जाने वाली मनुष्य की हत्या 4. श्रीकृष्ण, परमेश्वर 7. नाश 9. शराब, मदिरा 10. एकमात्र, सिर्फ 11. चेहरा, मुख 13. नामक, नाम धारण करने वाला 16. रिक्त, खाली 18. आकाश, बादल 19. खोया हुआ, अप्रसिद्ध 20. लोग, प्रजा 22. गाँद, वह गुण जिससे कोई वस्तु चिपकती हो 23. वह वन जो तपस्वियों के रहने अथवा तपस्या करने के योग्य हो 26. वश में किया हुआ, अपने को वश में करने वाला 27. रंभा नामक दैत्य का पुत्र जिसे दुर्गा ने मारा था

Solution 12318

क	प	मं	डू	क	इ	
ट	क		म	हा	रा	ज
नी	इ	क	जो	र	दा	र
ति	म	दा	री		दा	
	पो	ला		सं	क	र
पा	क्षी	र	सा	ग	र	
टी	ला		वे	ध	गा	था
	ज	ल	या	न	ला	ली

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, आर्थिक हाँन होगी. भूमि भवन संबंधी मामलों में विवाद होगा. वर्ष के मध्य में सुखद यात्रा का योग है. स्थाई लाभ की योजना बनेगी. मित्र भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा. वर्ष के अन्त में मित्रों की लाभदायक योजना बनेगी. बौद्धिक कार्य विचार विमर्श होगा. सामाजिक कार्यों में ख्याति प्राप्त होगी. लेखनादि कार्यों में सफलता मिलेगी. गृहकार्यों में सफलता मिलेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को सुखद यात्रा का योग है. स्थाई लाभ

मेघ- पुरानी मुश्किलें दूर हो सकती हैं, जरूरतमंदों की मदद करके खुशी होगी, साधनों की अनुकूलता रहेगी, लाभदायक अवसर मिलेंगे.

वृषभ- आकस्मिक लाभ के अवसर मिलेंगे, नये कामकाज की शुरुआत हो सकती है, जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा.

मिथुन- ज़िद में आकर आप गलत फैसला ले सकते हैं, भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च होगा. शादी विवाह के कार्यों में खर्च होगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा.

कर्क- तय कार्यक्रम में बदलाव से समस्या हो सकती है, विखरे काय समेटने में मित्रों की मदद मिलेगी, राजकीय कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है.

सिंह- कार्य को समय पर निपटाने की आदत डालें, सफलता मिलेगी, अधिकार में वृद्धि होगी, मान प्रतिष्ठा मिलेगी, अतिथि वृत्तभवन हो सकता है.

कन्या- स्वास्थ्य कमजोर रहेगा, कामकाज के सिलसिले में यात्रा संभव है, किसी समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी.

तुला- नए संपर्क केरिअर बनाने में सहायक रहेंगे, वैभव विलासिता को वस्तुओं का संघय होगा, आजीविका के प्रयास सफल होंगे.

वृश्चिक- निजी कार्यों को टालने से समस्या हो सकती है, संपत्ति संबंधी विवाद सुलझने के आसार हैं, जो भी मिल जाये उसी में संतोषा रहेगा, यश प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक मिलनसार, संतोषी, एकांतप्रिय महत्वाकांक्षी स्वाभाव का होगा. इनकी शिक्षा अच्छी होगी. नौकरी में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. माता पिता के प्रति आस्थावान और स्नेही रहेगा.

धनु- पारिवारिक मामलों में बाहरी दखल से समस्या बढ़ सकती है, कुटुम्बियों के संघर्ष में मधुरता रहेगी, जोड़तों के कामकाज सफल होगा, परिश्रम अधिक रहेगा. मकर- बुचुंगों के व्यवहार से खिन्नता होगी, उच्च अध्ययन में बेहतर परिणाम मिलेंगे. मेष- कार्य पूरे होने का हर्ष होगा. कर्क- संतान को भाग्योदय के अवसर मिलेंगे, मेहनत का भरपूर लाभ होगा, आय व्यय समान रहेगा, पेट संबंधी विकार होगा, खानपान पर संयम रहेगा. मीन- मनमौजी रवैया तर्कों में बाधक हो सकता है, नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी, राजकीय कार्यों में समाधान होगा, मार्गलिक कार्य में खर्च होगा.

SUDOKU7451

	9			4				
8	4			6		9		5
5		6	8	2	3			
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1	4	8	7			6
9		4		7			2	1
			2				8	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत संपादक 7450

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6